



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 673]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 5, 2007/ज्येष्ठ 15, 1929

No. 673]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 5, 2007/JYAISTHA 15, 1929

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जून, 2007

**का.आ. 880(अ).—** चूंकि केंद्र सरकार को मै. प्रीमियर आयल काचार बी वी, (श्लम्बर्गर एशिया सर्विसेज लिमिटेड के लिए) 8 वां तल, ली मैरिडियन कॉमर्शियल टावर, विंडसर पैलेस, रायसीना रोड, नई दिल्ली से तेल खोज प्रयोजन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका से हवाई जहाज द्वारा कुछ विशेष विस्फोटकों को आयात करने की अनुमति हेतु पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) में एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है

और चूंकि पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) संतुष्ट है कि विस्फोटकों के प्रस्तावित आयात का उपयोग, तेल खोज प्रयोजन में किया जाएगा और, इसलिए विस्फोटक नियमावली, 1983 (इसे यहां उक्त नियमावली कहा गया है) के नियम 31 के उप-नियम (2) के दायरे से आवश्यक छूट प्रदान की जा सकती है, जिसके तहत यहां विनिर्दिष्ट किए गए विस्फोटकों का हवाई जहाज द्वारा आयात अथवा निर्यात निषिद्ध है;

और जबकि नागर विमानन महानिदेशक ने वायुयान (खतरनाक वस्तुओं का वहन) नियमावली, 1937 के नियम 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपने परमिट सं. 16-डीजी/2007, दिनांक 29 जनवरी, 2007 द्वारा जो कि दिनांक 31 जुलाई, 2007 तक वैध है इस प्रकार के विस्फोटकों को वायु मार्ग द्वारा ले जाने के लिए मै. प्रीमियर आयल काचार बी वी, नई दिल्ली को कतिपय शर्तों के साथ आवश्यक अनुमति प्रदान की है।

अतः अब विस्फोटक अधिनियम, 1884(1884 का 4) की धारा 14 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा मै. प्रीमियर आयल काचार बी वी, नई दिल्ली को मै. श्लम्बर्गर रिजरवॉयर कम्प्लीशन्स, 14910 एयरलाईन रोड, रोशरॉन, टेक्सास 77583, संयुक्त राज्य अमेरिका से कोलकाता हवाई अड्डे पर निम्नलिखित विस्फोटकों, जिसकी मदों और मात्राओं को नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट किया गया है का वायुमार्ग द्वारा आयात करने के लिए उक्त नियमों के नियम 31 के उप-नियम (2) के प्रावधानों से छूट देती है

## सारणी

क्रम सं.	विस्फोटक सामग्री का नाम	यू.एन. संख्या	वर्ग	निवल भार (कि.ग्रा. में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	डिटोनेटर्स, इलेक्ट्रिक	0456	1.4 एस	2.72
2.	इग्नाइटर्स	0325	1.4 जी	1.36
3.	कार्टरिजिस्, पावर डिवाइस	0323	1.4 एस	20.86
4.	आर्टिकल्स, एक्सप्लोसिव, एन.ओ.एस.	0349	1.4 एस	13.62
5.	घाजेंज, शेड	0441	1.4 एस	32.66

2. उक्त सारणी में उल्लिखित विस्फोटकों का आयात निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन होगा, नामतः :-

- (1) नागर विमानन महानिदेशक और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण से आवश्यक स्वीकृति प्राप्त की जाएगी और उनके द्वारा लगाई गई शर्तों, यदि कोई हों, का पालन किया जायेगा ;
- (2) 1 जनवरी, 1996 से लागू हुई अन्तरराष्ट्रीय वायु परिवहन एसोसिएशन खतरनाक माल विनियमावली के (37वें संस्करण) की धारा 3 के 3.1 के तहत आने वाले प्रथम श्रेणी के विस्फोटकों से संबंधित प्रभाग के प्रभाग 1.4 के ही अनुरूप विस्फोटकों का आयात किया जायेगा ;
- (3) (नियम 31 के उपनियम (2) के अलावा) उक्त नियमों में यथा निहित विस्फोटकों के कब्जे, परिवहन, प्रयोग और आयात से संबंधित सुसंगत उपबंधों का सख्ती से पालन किया जायेगा ;
- (4) उक्त नियमों के अधीन लाइसेंसशुदा विस्फोटक सामग्री के वाहनों की पर्याप्त संख्या हवाई अड्डे पर तैयार रखी जायेगी ताकि विस्फोटक सामग्री को, वायुयान के उतरते ही शीघ्रता से हटाया जा सके ;
- (5) वायुयान को हवाई अड्डे पर दूरस्थ स्थान पर खड़ा किया जायेगा और विस्फोटकों का वायुयान से वाहन में अंतरण शुरू होने से पहले महानिदेशक, नागर विमानन से परामर्श करके पर्याप्त संख्या में सुरक्षा गार्डों का प्रबंध करके वायुयान और विस्फोटक सामग्री वाहन के चारों ओर कम से कम 500 वर्गमीटर क्षेत्र को घेर लिया जायेगा। उक्त व्यवस्था तब तक बनी रहेगी जब तक कि अन्तरण पूरा नहीं हो जाता और अच्छी तरह से बन्द वाहन उक्त स्थान से रवाना नहीं हो जाता ;
- (6) धिरे हुए क्षेत्र के अन्दर कोई धूम्रपान अथवा खुली बत्ती के उपयोग की अनुमति नहीं होगी ; तथा

- (7) उपर्युक्त विस्फोटक सामग्री को ले जा रहे वाहन उक्त नियमों के अधीन लाइसेंसयुक्त भण्डारण मैगजीन की ओर अग्रसर होंगे और रास्ते में कोई अनुचित विलम्ब नहीं किया जायेगा और विस्फोटकों के परिवहन के दौरान उक्त नियमों के सभी उपबंधों और स्थानीय यातायात नियमों और नगर पालिका के विनियमों, यदि कोई हों, का पालन किया जायेगा।

[फा. सं. 2(19)/2007-विस्फो.]

आर. एस. जुलानिया, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Industrial Policy and Promotion)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th June, 2007

**S.O. 880(E).**— Whereas the Central Government has received a proposal made by M/s. Premier Oil Cachar BV, (For Schlumberger Asia Services Limited) 8<sup>th</sup> Floor, Le Meredian Commercial Tower, Windsor Place, Raisina Road, New Delhi to Petroleum and Explosives Safety Organisation (PESO) for permission to import certain explosives by air from United States of America for oil exploration purposes;

And, whereas the Petroleum and Explosives Safety Organisation (PESO) is satisfied that the proposed import of explosives shall be used for oil exploration purposes and, therefore, exemption from the provisions of sub-rule (2) of rule 31 of the Explosives Rules, 1983 (hereinafter referred to as the said rules) is necessary as the provisions of that sub-rule prohibit import or export of explosives specified herein by air;

And, whereas the Director General of Civil Aviation has, in exercise of the powers conferred by rule 8 of the Aircraft Rules 1937, granted necessary permission with certain conditions to M/s. Premier Oil Cachar BV, New Delhi to carry such explosives by air vide their permit number 16-DG/2007, dated the 29<sup>th</sup> January, 2007 which is valid upto the 31<sup>st</sup> July, 2007 for one consignment only;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884), the Central Government hereby exempts M/s. Premier Oil Cachar BV, New Delhi from the provisions of sub-rule (2) of rule 31 of the said rules, for import of the following explosives, the items and quantities of which are specified in the Table below, by air from M/s. Schlumberger Reservoir Completions, 14910 Airline Road, Rosharon, Texas 77583, United States of America at Kolkata airport, namely:-

TABLE

Serial Number	Name of the Explosives	U.N. Number	Class	Net weight (in kilograms)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Detonators, Electric	0456	1.4S	2.72
2.	Igniters	0325	1.4G	1.36
3.	Cartridges, Power Device	0323	1.4S	20.86
4.	Articles Explosive, N.O.S.	0349	1.4S	13.62
5.	Charges, Shaped	0441	1.4S	32.66

2. The explosives mentioned in the Table shall be imported subject to the following conditions, namely:-
- (1) Necessary clearances are obtained from the Director General of Civil Aviation and the Airports Authority of India and conditions, if any, imposed by the said authorities shall be complied with;
  - (2) Explosives conforming only to Division 1.4 of the Division relating to class 1- Explosives falling under 3.1 of section 3 of International Air Transport Association Dangerous Goods Regulations, (37<sup>th</sup> Edition) which became effective on 1<sup>st</sup> January, 1996, shall be imported;
  - (3) The relevant provisions relating to the possession, transport, use and import of explosives, (except sub-rule (2) of rule 31) of the said rules shall be complied with;
  - (4) Requisite number of explosives vans, licensed under the said rules, shall be kept ready at the airport so that the explosives can be removed expeditiously from the aircraft after its landing;
  - (5) Aircraft shall be parked at a remote place at the airport and an area of at least five hundred square metres around the aircraft and the explosives van shall be cordoned off by providing adequate number of security guards in consultation with the Director General of Civil Aviation before the transfer of explosives from aircraft to van begins. The arrangement shall continue till such transfer is completed and the van is duly locked and leaves the site;
  - (6) Smoking or use of naked light shall not be permitted within the cordoned area; and
  - (7) Vans carrying the explosives shall proceed to the storage magazine licensed under the said rules and no undue delay shall be made on the way and all provisions of the said rules and local traffic rules and municipal regulations, if any, shall be complied with during the transportation of the explosives.

[F. No. 2(19)/2007-Expl.]

R. S. JULANIYA, Jt. Secy.